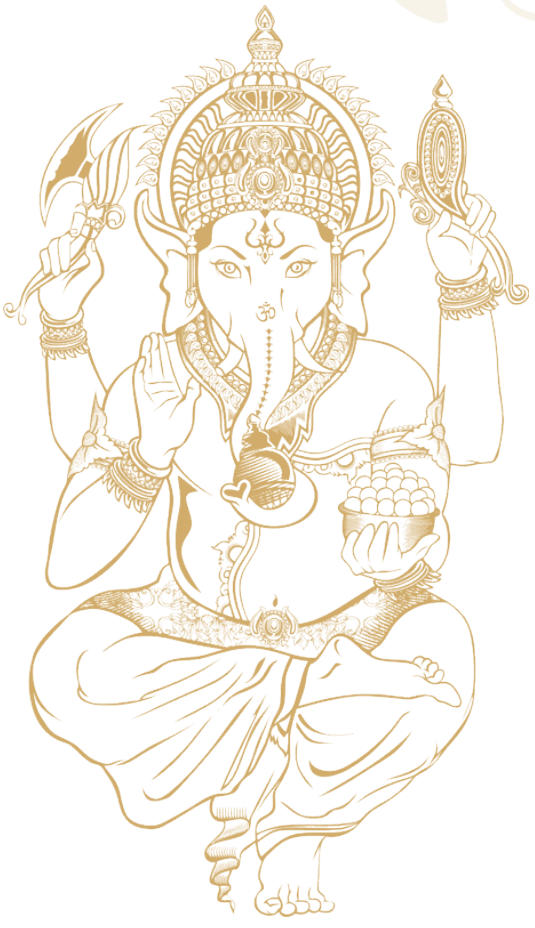

Yash

Vaishali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119183604

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
07/07/1998 :	जन्म तिथि	: 22-23/12/1998
मंगलवार :	दिन	: मंगल-बुधवार
घंटे 15:29:00 :	जन्म समय	: 06:50:00 घंटे
घटी 24:46:54 :	जन्म समय(घटी)	: 59:09:16 घटी
India :	देश	: India
Alwar :	स्थान	: Delhi
27:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:34:14 :	सूर्योदय	: 07:10:15
19:22:40 :	सूर्यास्त	: 17:29:03
23:50:03 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 7वर्ष 5मा 5दि	29:53:09	तुला	लग्न	धनु	01:31:56	मंगल 6वर्ष 1मा 16दि
शुक्र	21:15:51	मिथु	सूर्य	धनु	07:09:11	गुरु
11/12/2012	24:10:17	वृश्चि	चंद्र	मक	24:59:31	08/02/2023
11/12/2032	06:52:11	मिथु	मंगल	कन्या	20:01:00	08/02/2039
शुक्र 12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	वृश्चि	15:49:13	गुरु 28/03/2025
सूर्य 12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	कुंभ	26:53:17	शनि 09/10/2027
चन्द्र 12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	धनु	20:19:26	बुध 14/01/2030
मंगल 11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि व	मेष	02:58:06	केतु 21/12/2030
राहु 11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु व	कर्क	29:24:46	शुक्र 21/08/2033
गुरु 12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु व	मक	29:24:46	सूर्य 09/06/2034
शनि 11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष	मक	16:40:08	चन्द्र 09/10/2035
बुध 12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप	मक	06:54:22	मंगल 14/09/2036
केतु 11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:57:11	राहु 08/02/2039

लग्न-चलित

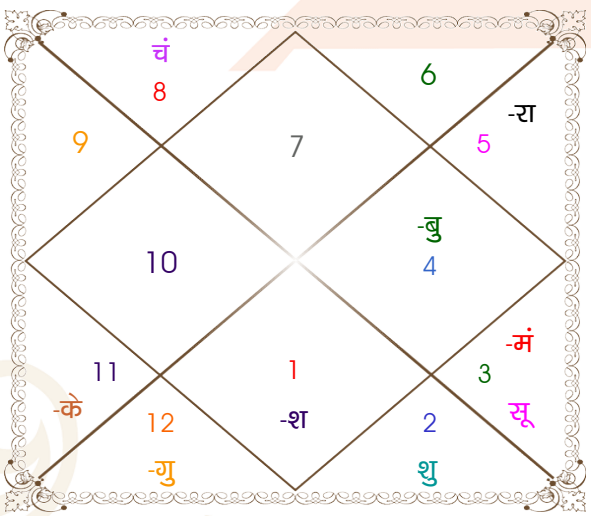

लग्न-चलित

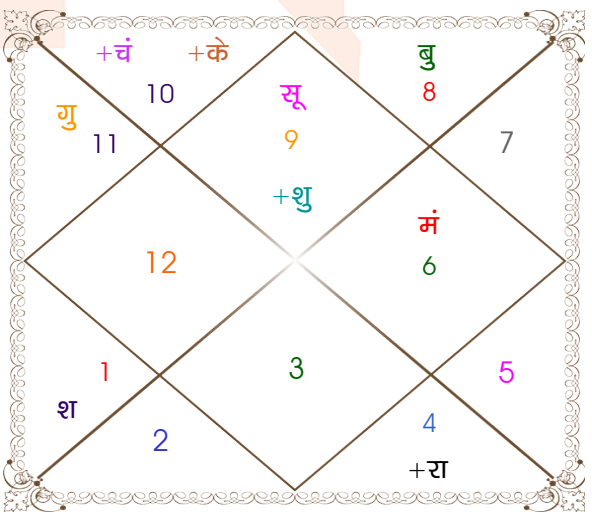

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

लैे का वर्ग मृग है तथा टंर्पोसप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे और टंर्पोसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

टंर्पोसप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

लैे तथा टंर्पोसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।